Title: Situation arising out of ban on sale of mineral water in puches resulting in large scale unemployment.

श्री ्वाई. जी. महाजन (जलगां्व) : माननी्य अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम ्से माननी्य मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि ्भारती्य मानक ्ब्यूरो द्वारा प्रमाणित कि्या ग्या मिनरल ्वाटर ्बोतलों तथा पाउच द्वारा ्बेचा जाता है। ्भारती्य मानक ्ब्यूरो ने दोनों तरीकों ्से पैक किए गए पानी निर्माताओं को आई.एस.आई. मार्क दि्या है, किन्तु अचानक हाल ही में ्भारती्य मानक ्ब्यूरो ने पाउच द्वारा ्बेचे जाने ्वाले मिनरल ्वाटर पर पा्बन्दी लगा दी है जि्स्से दे्श्भर के मिनरल ्वाटर निर्माता हैरानी में हैं।

महोद्य, ्बोतल्बंद पानी ्बेचने को अनुमति और पाउच के निर्मातांओं पर पा्बन्दी, ्यह कै्सा न्या्य हो रहा है ? इस्से दे्श के हजारों पाउच ्बनाने ्वाले, मिनरल ्वाटर ्बेचने ्वाले तथा पाउच पैक करने ्वाले ्बेरोजगार हो गए हैं। इ्स व्य्वसा्य ्से जुड़े हुए लाखों की ्संख्या में कारीगर ्भी ्बेरोजगार हो गए हैं। कई उत्पादकों ने ्बैंकों ्से ऋण लेकर अपना व्य्वसा्य शुरू कि्या था। पाउच द्वारा मिनरल ्वाटर ्बेचने पर पा्बन्दी लगने के ्बाद उन्हें ्बैंकों का ऋण चुकाने में ्भी काफी कठिनाई हो रही है।

महोद्य, मेरी आपके माध्यम ्से माननी्य ्स्वास्थ्य मंत्री जी ्से अनुरोध है कि ्वे पाउच में मिनरल ्वाटर ्बेचने पर लगाई गई पा्बन्दी को तुरन्त हटाने के निर्दे्श जारी करें।